

---

.. Bhrigupanchakastotra ..

॥ श्री भृगुपञ्चकस्तोत्रम् ॥

Document Information

---

Text title : bhRigupanchakastotram  
File name : bhRigupanchakastotram.itx  
Category : panchaka  
Location : doc\_deities\_misc  
Author : Samartha Shree  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Srinivas Kommireddy srinivas.kommireddy at  
googlemail.com  
Proofread by : Srinivas Kommireddy, PSA Easwaran  
Source : Sanskrit Jagat  
Latest update : December 11, 2015  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ भृगुपञ्चकस्तोत्रम् ॥

द्विजेन्द्रवंशतारकं समस्तदुःखहारकं  
दरिद्रताविदारकं स्वधर्मसेतुधारकम् ।  
सदैव देवनन्दितं समस्त शास्त्रपण्डितं  
भजामि भस्मभूषितं स्वभर्गभासितं भृगुम् ॥ १ ॥

विरागरागनिर्झरं नमामि वै विदाम्बरं  
परम्परारविन्दरेणुषद्दं सिताम्बारम् ।  
सदैव साधनापरं समाधिनिष्ठभूसुरं  
भजामि भस्मभूषितं स्वभर्गभासितं भृगुम् ॥ २ ॥

सनातनं च शाश्वतं समष्टिसौख्यसर्जकं  
समुन्नतं सुमानसं शिवादिसङ्गसाधकम् ।  
समर्धकं समर्पितं सदैव शान्तिशोधकं  
नमामि भस्मभूषितं स्वभर्गभासितं भृगुम् ॥ ३ ॥

पठामि भार्गवोत्तमं लिखामि तं भृगुं विभु  
भजामि तं महागुरुं स्पृशामि तं महाप्रभुम् ।  
स्मरामि तं महामुनिं वदामि तं स्वयम्भुवं  
नमामि भस्मभूषितं स्वभर्गभासितं भृगुम् ॥ ४ ॥

अबोधतां विनाशितुं दरिद्रतां विदारितुं  
प्रबोधतां प्रवाहितुं सुमेधतां सुसाधितुम् ।  
विकासवीथि भासितुं भजामि वै भृगुं शिवं  
नमामि भस्मभूषितं स्वभर्गभासितं भृगुम् ॥ ५ ॥

॥ इति श्री भृगुपञ्चकस्तोत्रम् ॥

—कवि समर्थ श्री

Sourced from Sanskrit Jagat

Encoded and proofread by Srinivas Kommireddy  
srinivas.kommireddy at googlemail.com

Proofread by PSA Easwaran

॥ श्री भृगुपञ्चकस्तोत्रम् ॥

---

was typeset on August 2, 2016

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

